कैसे पाता मैं तुमको कन्हैया भजन लिरिक्स

कैसे पाता मैं तुमको कन्हैया,
इस ज़माने से जो गम ना मिलते,
रिसते रहते मेरे घाव दिल के,
आप जो बनके मरहम ना मिलते,
कैसे पाता मै तुमको कन्हैया,
इस ज़माने से जो गम ना मिलते।bd।

तर्ज – इतनी शक्ति हमें देना।

बस तेरी एक नजर से ही हमको,
जो थे बिछड़े हमारे मिले है,
बेसहारा था जीवन जो उसको,
जिंदगी के सहारे मिले है,
अपनी आँखों में लेकर के आंसू,
खाटू में तुमसे जो हम ना मिलते,
रिसते रहते मेरे घाव दिल के,
आप जो बनके मरहम ना मिलते,
कैसे पाता मै तुमको कन्हैया,
इस ज़माने से जो गम ना मिलते।bd।

उनका एहसान मैं मानता हूँ,
रात दिन डर था जिनका सताता,
वो सितमगर सितम जो ना करते,
तेरी चौखट पे मैं कैसे आता,
सिलसिला साँसों का टूट जाता,
मेरे हमदम जो उस दम ना मिलते,
रिसते रहते मेरे घाव दिल के,
आप जो बनके मरहम ना मिलते,
कैसे पाता मै तुमको कन्हैया,
इस ज़माने से जो गम ना मिलते।bd।

आत्मा मेरे तन में रही पर,
तुझमे धड़कन मेरी खो गई है,
रोती आँखों को तूने हंसाया,
साँवरे बात सच हो गई है,
तू पकड़ता ना मेरी कलाई,
[illegible]

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

रिसते रहते मेरे घाव दिल के,
आप जो बनके मरहम ना मिलते,
कैसे पाता मै तुमको कन्हैया,
इस ज़माने से जो गम ना मिलते।bd।

सोचकर के सहम जाता हूँ मैं,
जो ये चौखट तुम्हारी ना मिलती,
अश्क में डूबी रहती ये आखें,
फूल जैसी कभी भी ना खिलती,
'बेधड़क' दु:ख हजारों ह्रदय को,
और सुख जो बहुत कम ना मिलते,
रिसते रहते मेरे घाव दिल के,
आप जो बनके मरहम ना मिलते,
Bhajan Diary Lyrics,
कैसे पाता मै तुमको कन्हैया,
इस ज़माने से जो गम ना मिलते।bd।

कैसे पाता मैं तुमको कन्हैया,
इस ज़माने से जो गम ना मिलते,
रिसते रहते मेरे घाव दिल के,
आप जो बनके मरहम ना मिलते,
कैसे पाता मै तुमको कन्हैया,
इस ज़माने से जो गम ना मिलते।bd।

गायक / लेखक – पप्पू जी 'बेधड़क'।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com